opifex, artifex libera, quae in aliorum domo laborat. N. 13.55.

सो 1. *P.* 4. स्यामि, *part. pass.* सित, v. gr. 694. (अन्तकारे *K.* नाशे *V.*) finire, finem facere, occidere, destruere.

c. अव finire, ad finem adducere. Ragh. 11.37.: अवसिते क्रियाविधौ. *Caus.* अवसाययामि finiendum, peragendum curare aliquid, facere ut quis finiat. Ragh. 5.76.: विधिम् अवसाय्य.

c. अव praef. अधि 1) constituere, consilium capere. Mah. 3.16254.: ना ऽध्यावास्यद् यदा कश्चित् सागरस्य विलङ्घनम्. 2) reputare. Sa. 100.15.: स्यान् न वै ऽत्य् अध्यवस्यन्.

c. वि praef. अव 1) decernere, statuere, constituere. Br. 1.10.: विदित्वा व्यवसिष्यामि (anom. pro °सास्यामि); H. 1.52.: इति भीमो व्यवस्य (v. gr. 638.) — व्यवसित qui decrevit Bh. 1.45.: महत् पापङ् कर्तुं व्यवसिता वयम्; R. Schl. I. 52.22. 2) petere, appetere. Mah. 2.1400.: उष्कृताम् पूजां शिशुपालो व्यवस्यति. *Cum infin.* Sa. 5.52.: न भर्तृहीना व्यवसामि जीवितुम् (secundum 1mam cl., abjecto ओ).

c. व्यव praef. सम् decernere. Man. 7.13.

c. प्र प्रसित petens, appetens, studiosus. Ragh. 8.23.

सोढुम् v. सह्.

सोदर *Adj.* (*bah.* e स cum et उदर venter) germanus, naturalis, ex iisdem parentibus natus. Sa. 7.13.

सोदर्य *m.* (a praec. s. य) germanus frater. Hit. 42.21. (Cf. gr. ἀδελφός ex ἀ = स et δελφύς.)

सोपान *n.* (fortasse mutilatum e सौपानय, e स cum et उपानय a r. नी ducere praef. उप + आ suff. अ) scalae. Ur. 38.9.

सोम *m.* 1) luna. 2) planta, asclepias acida. 3) succus asclepiadis acidae. Bh. 9.20.

सौक्ष्म्य *n.* (a सूक्ष्म subtilis, tenuis s. य) subtilitas. Bh. 13.32.

सौख्य *n.* (a सुख s. य) gaudium, voluptas. Hit. 33.1.

सौगन्धिक (a सुगन्ध suavis odor suff. इक) 1) *Adj.* bene odorus. N. 13.2. 2) *n.* flos, lotus alba. In. 2.2.

सौदामिनी *f.* (pro सौदामनी *Fem.* τοῦ सौदामन e nube ortus, a सुदामन् nubes s. अ) fulgur. Am.

सौन्दर्य *n.* (a सुन्दर s. य) pulchritudo. Hit. 74.3.

सौबल *m.* (a सुबल *Subalus* s. अ) nom. propr. (Subalo natus). In. 3.9.

सौभाग्य *n.* (a सुभग felix s. य) felicitas, fortuna. N. 1.10.

सौम्य (a सोम luna s. य) pulcher, amoenus, jucundus, placidus. Sa. 1.14. Dr. 1.14. Bh. 11.50.

सौम्यता *f.* (a praec. s. ता) pulchritudo, jucunditas, mansuetudo. In. 5.7.

सौम्यव *n.* (a सौम्य s. व) *id.* Bh. 17.16.

सौरभी *f.* (*fem.* vocis सौरभ *Surabhi* natus, a सुरभि q. v. s. अ) vacca. Br. 1.12.

सौवीर *m.* 1) in *Plur.* nomen regionis (Wils. *A district, apparently the part of the gangetic provinces occupied by the Suviras, now called Suirs*). Dr. 4.8.12. 2) Sauvirensis. Dr. 4.7.8.27.

सौवीरक *m.* (a praec. s. क vel अक) Sauvirensis. Dr. 4.2.

सौहार्द *n.* (a सुहृद् s. अ, v. gr. 648.) amicitia. Hit. 42.20.

सौहृद *n.* (a सुहृद् s. अ) *id.* N. 10.26.

स्कन्द् 1. *P.* स्कन्दामि, *part. pass.* स्कन्न. Salire, scandere, cadere, elabi, effluere. Mah. 1.5105.: ततो ऽस्य रेतः चस्कन्द. *Etiam Atm.* Man. 7.84.: न स्कन्दते … ब्राह्मणस्य मुखे हुतम् (schol. स्रवत्य् अधः पतति). — स्कन्न elapsus. R. Schl. I. 38.27. Immissus, infusus, *de semine.* Mah. 1.2434. — *Caus.* 1) effundere *semen.* Man. 2.180.: न रेतः स्कन्दयेत् क्वचित्. 2) omittere, negligere. Man. 6.9. (Cf. स्कुन्द्, स्यन्द्, lat. *scando, scateo*; hib. *skeinnead* «eruption, gushing forth», ut videtur, per assim. e *sceindead*; fortasse gr. σκαίρω mutato द् vel न् in ρ.)

c. अव praef. अभि exsilire. Mah. 4.810.: अद्वारेणा ऽभ्यवस्कन्द्य.

c. अव praef. सम् *Caus.* invadere, oppugnare. Man. 7.196.: समवस्कन्दयेच्चै ऽनम् (अरिम्).

c. प्र *i. q. simpl.* R. Schl. II. 11.4.: प्रचस्कन्द … पाशम्